Chapter 7:परिवहन तथा संचार

अभ्यास प्रश्न (पाठ्यपुस्तक से)

प्र0 1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए ।

(i) भारतीय रेल प्रणाली को कितने मंडलों में विभाजित किया गया है?

(क) 9

(ख) 12

(ग) 16

(घ) 14

उत्तरः (i) (ग) 16

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय महामार्ग है?

(क) एन. एच-1

(ख) एन. एच-6

(ग) एन. एच- 7

(घ) एन. एच-8

उत्तरः (ii) (ख) एन. एच-7

(iii) राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या - 1 किस नदी पर तथा किन दो स्थानों के बीच पड़ता है ?

(क) ब्रह्मपुत्र - सादिया-धुबरी

(ख) गंगा-हल्दियाइलाहाबाद

(ग) पश्चिमी तट नहर-कोट्टापुरम से कोल्लाम

उत्तरः (iii) (ख) गंगा-हल्दियाइलाहाबाद

(iv) निम्नलिखित में से किस वर्षमें पहला रेडियो कार्यक्रम प्रसारित हुआ था?

(क) 1911

(ख) 1936

(ग) 1927

(घ) 1923

उत्तरः (iv) (घ) 1923

प्र0 2.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

(i) परिवहन किन क्रियाकलापों को अभिव्यक्त करता है? परिवहन के तीन प्रमुख प्रकारों के नाम बताएँ।

उत्तर: परिवहन, तृतीयक क्रियाकलाप को अभिव्यक्त करता है। परिवहन के प्रमुख तीन प्रकार-

1. स्थल,
2. जल एवं
3. वायु परिवहन।

(ii) पाइप लाइन परिवहन से लाभ एवं हानि की विवेचना करें।

उत्तर: पाइप लाइन द्वारा किया गया परिवहन काफी सस्ता होता है लेकिन इसके रिसाव होने का खतरा सदैव बना रहता है, जिस कारण इस माध्यम में अत्यधिक सावधानी रखने की आवश्यकता होती है।

(iii) संचार' से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तरः (iii) संचार' से आपका क्या तात्पर्य है? उत्तर-एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश अथवा सूचना पहुँचाने की व्यवस्था को 'संचार' कहते हैं। संचार के साधनों के दो वर्ग-

वैयक्तिक संचार जाल एवं

सार्वजनिक संचार जाल।

(iv) भारत में वायु परिवहन के क्षेत्र में 'एयरइंडिया' तथा 'इंडियन' के योगदान की विवेचना करें।

उत्तर: एयर इण्डिया-यह विदेशी उड़ानों का संचालन करता है। यह विश्व के सभी प्रमुख नगरों को मिलाती है।
इण्डियन एयरलाइन्स-यह देश में मुख्य घरेलू उड़ानों का संचालन करता है। **8** दिसम्बर**, 2005** को इण्डियन एयरलाइन्स ने अपने नाम से 'एयरलाइन्स' शब्द को अलग कर दिया और इसे केवल 'इण्डियन' के नाम से ही जाना जाता है

प्र0 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।
(i) भारत में परिवहन के प्रमुख साधन कौन-कौन से हैं? इनके विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना करे ।
उत्तर: भारत में परिवहन के प्रमुख साधनों को तीन वर्गों के अंतर्गत रखा गया है
(i) स्थल परिवहन जिसमें मुख्य सड़क मार्गों से परिवहन, रेलमार्गों से परिवहन, पाइप लाइनों से परिवहन, केबिलों (टोपवे) से परिवहन को शामिल किया जाता है।

(ii) जल परिवहन इसके दो वर्ग हैं
(क) अंत:स्थलीय जलमार्गों से परिवहन,
(ख) महासागरीय जलमार्गों से परिवहन
(iii) वायु परिवहन-इसके अंतर्गत दो तरह की सेवाएँ उपलब्ध हैं
(क) अंतर्देशीय (घरेलू सेवाएँ) तथा
(ख) अंतर्राष्ट्रीय सेवाएँ।

इनके अलावा पर्वतीय क्षेत्रों में जहाँ सड़कें बनाना संभव नहीं होता वहाँ पदार्थो, वस्तुओं व लोगों के आवागमन के लिए रज्जू मार्गों, केबिल मार्गों (टोपवे) का प्रयोग परिवहन के लिए किया जाता है। परिवहन के साधनों के विकास को प्रभावित करने वाले कारक
(i) स्थलाकृति, उबड़-खाबड़ पर्वतीय अथवा पठारी भागों में परिवहन के साधनों का विकास मैदानी समतल भागों की अपेक्षा कम होता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण भारत के मैदानी भागों में सड़क व रेलवे मार्गों का जाल दुनिया के सबसे सघन जालों में से

एक है जबकि हिमालय पर्वतीय भू-भाग, प्रायद्वीप पठार के अंतर्गत यह बहुत ही कम है।

(ii) विषम जलवायु जिन - क्षेत्रों की जलवायु विषम या मानवीय क्रियाओं के प्रतिकूल है वहाँ जनसंख्या का घनत्व व वितरण कम है। इसलिए वहाँ पर परिवहन के साधनों का विकास भी कम होता है।

(iii) संसाधनों की उपलब्धता - जिन प्रदेशों में संसाधनों की प्रचुरता है। वहाँ अनेक आर्थिक क्रियाओं का विकास स्वतः हो जाता है। औद्योगिकरण के विकास ने जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित किया है जिसके कारण वहाँ परिवहन के साधनों का भी तेजी से विकास हुआ है।

(iv) सरकारी नीतियाँ - सरकारी नीतियाँ भी किसी प्रदेश के विकास को प्रभावित करती हैं। औद्योगिक संकुलों के विकास से जनसंख्या आकर्षित होती है तथा उन्हें गति देने के लिए परिवहन के विभिन्न साधनों का विकास किया जाता है।

(ii) पाइप लाइन परिवहन से लाभ एवं हानि की विवेचना करें।

उत्तर: लाभ-पाइप लाइन परिवहन से निम्नलिखित लाभ होते हैं-

- पाइप लाइनें तरल तथा गैस पदार्थों के परिवहन के लिए आदर्श माध्यम हैं।
- इनके संचालन एवं रख-रखाव में काफी कम खर्चा होता है।
- यह ऊबड़-खाबड़ भू-भागों तथा पानी के भीतर बिछाई जा सकती है।
- इसमें ऊर्जा का उपयोग काफी कम होता है।

हानि-पाइप लाइन परिवहन से निम्नलिखित हानियाँ होती हैं-

- पाइप लाइन परिवहन में लोच का अभाव होता है। इसे निश्चित स्थानों के लिए ही प्रयोग किया जा सकता है।
- इनकी सुरक्षा व्यवस्था करना कठिन कार्य है।
- एक बार निर्माण के बाद इसकी क्षमता को घटाया या बढ़ाया नहीं जा सकता।

- भूमिगत पाइप लाइनों में रिसाव का पता लगाने तथा उनकी मरम्मत करने में भी काफी कठिनाई आती है।

(iii) भारत के आर्थिक विकास में सड़कों की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर:

- रेलें सीमित स्थानों तक ही पहुँच सकती हैं, परन्तु सड़कें दूर-दूर तक पहुँच जाती हैं। भारत की अधिकांश रेलें बड़े-बड़े शहरों को ही मिलाती हैं, जबकि सड़कें छोटे-छोटे गाँव तक भी पहुँच जाती हैं।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रेलों का लगभग पूर्णत: अभाव है। इन भागों में सड़कें आसानी से पहुँच सकती हैं।
- कृषि के विकास के लिए सड़कों का महत्त्व कहीं अधिक है। उर्वरक, बीज, कृषि यन्त्र आदि को खेतों तक पहुँचाने के लिए सड़कों का ही प्रयोग किया जाता है। कृषि उत्पादों को ग्रामीण क्षेत्रों की मण्डियों तक पहुँचाने में भी सड़कों का काफी योगदान है।
- सड़कों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की शीघ्रनाशी वस्तुओं जैसे दूध, पनीर, सब्जी, फल, मछली इत्यादि को खपत क्षेत्रों तक शीघ्रता से पहुँचाया जा सकता है।
- सीमावर्ती दुर्गम क्षेत्रों में तैनात सेना के जवानों को आवश्यक वस्तुएँ पहुँचाने के लिए भी सड़कों का ही। प्रयोग किया जाता है। इसी कारण 'सीमा सड़क संगठन' ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण किया।
- प्राकृतिक आपदाओं (सूखा, बाढ़, अतिवृष्टि एवं अन्य दैवी विपत्तियों आदि के समय) के दौरान सड़कें, रेलों की तुलना में अधिक प्रभावशाली हो जाती हैं, क्योंकि उनसे दूर-दूर तक जाया जा सकता है।
- सड़कों से शिक्षा व सभ्यता के प्रसार में भी सहायता मिलती है, क्योंकि सड़कों ने नगरों व गाँवों को आपस में जोड़ दिया है।